

14/7/84

पञ्चसमी पेश हुई। वकील पार्थी अन्तु। प्रो. ए. 28 म
शजवणी के व्याप्त होने से पञ्चसमी प्रकृत दिनांक
दिनांक 7/9/84 को पेश हो।

7/8/84

पार्थी के वकील पार्थी अन्तुपरिभर। प्रो. ए. 28 म
के अन्तिम कलम दिनांक 7/9/84 को पेश हो।
पेशी पर उपस्थित नहीं होने की रिपोर्ट के
स्वधरोप आपनोप की जसेगी पञ्चसमी दिनांक
22/9/84 को पेश हो।

22/9/84

पार्थी को वकील पार्थी अन्तु। प्रो. ए. 28 म
शजवणी के व्याप्त होने से पञ्चसमी प्रकृत दिनांक
5/10/84 को पेश हो।

5/10/84

पार्थी एवं वकील पार्थी अन्तु। पार्थी एवं वकील
पार्थी को शक्य रूपसे व्याप्त होने लगती जब कि
वैध उपस्थित नहीं हुआ। प्रो. ए. 28 म पार्थी एवं वकील
को अन्तु व्याप्त रहे हैं। प्रो. ए. 28 म पञ्चसमी पेश
हजारों पेशी के अन्तु किया जाता है। पञ्चसमी
कैसल सुधार होकर नजर के अन्तु किया जाये।
अस लाभिक तन्वीस डाकिक दायरा से।